Seat No. : _____

# TE-114

**M.A.Sem.-II**
**May-2013**

## HINDI

## 411-EB : युग आधारित पद्य

**Time : 3 Hours]** **[Max. Marks : 70**

१. (क) निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग **६००** शब्दों में लिखिए । **१०**
छायावाद की दो परिभाषाएँ देकर उसकी लाक्षणिकता पर प्रकाश डालिए ।

**अथवा**

छायावाद के प्रमुख कवियों का संक्षिप्त साहित्यिक परिचय दीजिए ।

(ख) निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग **१००** शब्दों में लिखिए । **४**
महादेवी की विरह वेदना

**अथवा**

छायावाद की काव्यभाषा

२. (क) निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग **६००** शब्दों में लिखिए । **१०**
कामायनी के रूपकत्व पर प्रकाश डालिए ।

**अथवा**

कामायनी में निरूपित समस्याओं पर प्रकाश डालिए ।

(ख) निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग **१००** शब्दों में लिखिए । **४**
श्रद्धा सर्ग की विशेषताएँ

**अथवा**

कामायनी में समरसता का सिद्धांत

३. (क) निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग **६००** शब्दों में लिखिए । **१०**
'कामायनी' में छायावादी सौंदर्यबोध विषय पर अपना मत स्पष्ट कीजिए ।

**अथवा**

कामायनी के महाकाव्यत्व पर अपने विचार प्रस्तुत कीजिए ।

(ख) निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग **१००** शब्दों में लिखिए । **४**
कामायनी का शीर्षक

**अथवा**

कामायनी का अंतिम सर्ग

४. (क) निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग **६००** शब्दों में लिखिए । **१०**
छायावादी विशेषताओं की दृष्टि से रश्मिबंध की समीक्षा कीजिए ।

**अथवा**

पंतजी की काव्ययात्रा का परिचय दीजिए ।

(ख) निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग **१००** शब्दों में लिखिए । ४

'ग्रंथि' कविता का कथ्य

**अथवा**

'परिवर्तन' कविता का उद्देश्य

५. सूचनानुसार कीजिए ।

(क) निम्नलिखित विधानों में से सही या गलत विधान पहचानिए : ७

(१) मुक्त छन्द के प्रवर्तक कवि श्री निराला माने जाते हैं ।

(२) प्रसादजी की प्रारंभिक रचनाएँ खड़ी बोली हिन्दी में लिखी गई हैं ।

(३) 'कामायनी' का शीर्षक प्रथम 'लज्जा' रखा गया था ।

(४) कामायनी में प्रत्यभिज्ञादर्शन का विनिमेश हुआ है ।

(५) परिवर्तन कविता में कवि ने काल को महाजन के रूप में प्रस्तुत किया है ।

(६) पंतजी की कविताओं में 'नौकाविहार' अपने चित्रों के लिए प्रसिद्ध है ।

(७) 'वह बुढ्ढा' का नायक अंत में कवि के मन पर एक सुन्दर प्रभाव छोड़ जाता है ।

(ख) योग्य विकल्प चुनकर प्रश्नों के उत्तर लिखिए । ७

(१) 'छायावाद स्थूल के प्रति सूक्ष्म की प्रतिक्रिया है ।' – यह कथन किसका है ?

(अ) आचार्य रामचंद्र शुक्ल (आ) डॉ. नगेन्द्र

(इ) महादेवी वर्मा (ई) गंगाप्रसाद पाण्डेय

(२) ज्योत्सना किसके द्वारा लिखा गया काव्य नाटक है ?

(अ) प्रसाद (आ) निराला

(इ) पंत (ई) महादेवी वर्मा

(३) 'मैं दुर्बलता में नारी हूँ' – यह पंक्ति कामायनी के किस सर्ग की है

(अ) लज्जा (आ) इडा

(इ) श्रद्धा (ई) वासना

(४) 'बिखरी अलकें ज्यों तर्क जाल' – यह उक्ति किसके लिए कही गई हैं ?

(अ) लज्जा (आ) इड़ा

(इ) श्रद्धा (ई) वासना

(५) इड़ा की उत्पत्ति या पुष्टि पाक यज्ञ से हुई – यह संदर्भ कहाँ मिलता है ?

(अ) शतपथ (आ) ऋग्वेद

(इ) तैतरीय (ई) मनुस्मृति

(६) वियोग जीवन के लिए वरदान होता है, अभिशाप नहीं । यह किस कविता का संदेश है ?

(अ) आँसू (आ) आँसू की बालिका

(इ) सन्ध्या (ई) याचना

(७) शब्दशक्ति की दृष्टि से कामायनी की भाषा किस प्रकार की है ?

(अ) अभिधा (आ) व्यंजना

(इ) लक्षणा (ई) मिश्रित

---